GST NO. 07AAACE1747M1ZJ
CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: +91-11-26135256
Email: press@epch.com

Fax: +91-11-26135518,26135519
web: www.epch.in

27th January, 2021

EPCH PRESS RELEASE

INAUGURATION OF TRAINING PROGRAMMES OF INTEGRATED DEVELOPMENT & PROMOTION OF HANDICRAFT IN HIMACHAL PRADESH

NEW DELHI – 27th January'2021 - The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) is working for backward linkage i.e. design support to the handicraft sector and forward linkage i.e. marketing support over three decades. In view of above, Govt. of Himachal Pradesh invited EPCH to provide training to the artisans for design development of handicrafts in Himachal Pradesh.

Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH informed that the Council is organizing 50 days technical and design training camp in Himachal Pradesh for major crafts like Kullu Shawl as art wear, Kinnaur Shawl as Art wear, Hand Embroidery, Chamba Rumal, Applique Craft, Bamboo Craft, Metal Craft and Wooden Craft etc. to the local artisans and craftpersons.

Speaking on the occasion, Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH informed that today the Council inaugurated an Integrated Development & Promotion of Handicraft" (IDPH) Project in Shimla, Himachal Pradesh for Promotion and Development of Handicrafts in 07 districts of Himachal Pradesh with an objective to develop the key handicraft clusters of Himachal Pradesh State as a preferred global sourcing destination for a diversified range of high quality and exquisite handcrafted products of Himachal Pradesh.

Dr. Kumar informed that 25 Handicraft Technical Training Programs have been started physically in 07 districts - Kullu, Mandi, Kinnour, Kangra, Hamirpur, Chamba and Bilaspur districts of Himachal Pradesh. The Director of Industries, Shri. H R Sharma, IAS, Shri Ravi K Passi, Chairman-EPCH, Dr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH, Shri R K Verma, Executive Director, EPCH and other members of EPCH NR committee were present during above inauguration through virtual mode and connected with the training Centres along with General Manager(s) of above District Industries Centres.

Dr. Kumar informed that the above project is being implemented with the financial assistance of Office of Development Commissioner (Handicrafts) through Directorate of Industries, Govt. of Himachal Pradesh. The project would include 25 Handicraft Technical Training Program, 12 Design Workshops, setting up of 06 Producer Groups Companies, Base Line Survey of 12000 artisans.

Speaking on the occasion, Shri Ravi Passi, Chairman-EPCH informed that the Directorate Industries, Govt. of Himachal Pradesh has appointed Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) as a Project Management and Technical Advisor for the project to assist in design development and promotion of Himachal Pradesh Crafts.

The Handicrafts exports during the year 2019-20 was Rs. 25,270.14 crores and during 1st nine months i.e April-December'2020-21 is Rs. 16940.98 Crores and USD 2268.58 Million informed by Dr. Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

For more information, please contact:
Dr. RAKESH KUMAR, DIRECTOR GENERAL – EPCH - +91-9818272171

****

CAPTION:

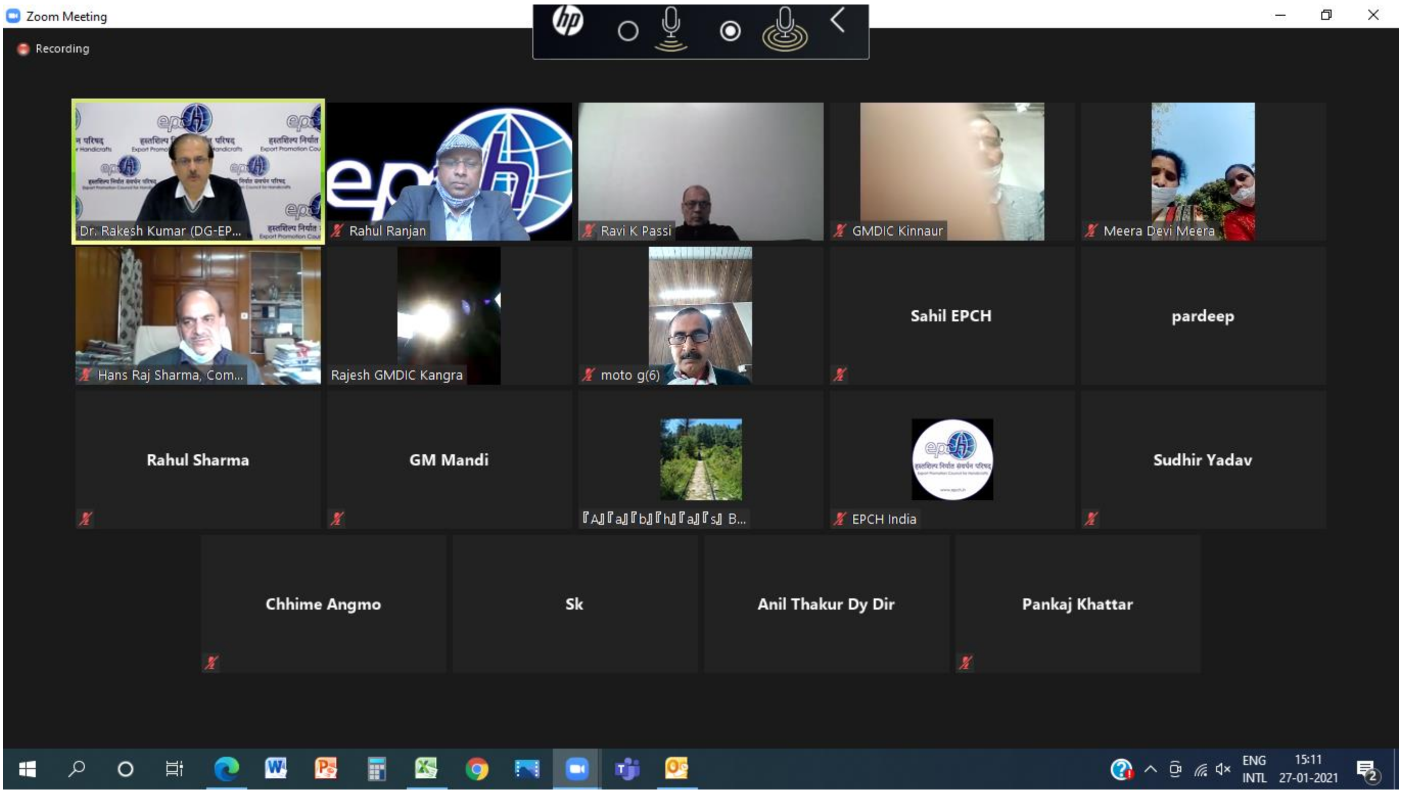

- Dr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH addressing the gathering on the occasion of inauguration of Integrated Development & Promotion of Handicraft" (IDPH) Project in Shimla, Himachal Pradesh, also seen Director of Industries, Shri. H R Sharma, IAS, Shri Ravi K Passi, Chairman-EPCH

Artisans during Integrated Development & Promotion of Handicraft" (IDPH) Project Training Camp in Bilaspur Dist., Himachal Pradesh

--For more information, please contact :

Dr. RAKESH KUMAR, DIRECTOR GENERAL – EPCH - +91-9818272171

****

ई.पी.सी.एच. प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच प्रेस विज्ञप्ति

हिमाचल प्रदेश में हस्तशिल्प के समेकित विकास और प्रोत्साहन के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

नई दिल्ली 27 जनवरी 2021 – पिछले तीन दशक से हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) बैकवर्ड लाइनेज यानी हस्तशिल्प सेक्टर को डिजाइन में सहयोग आदि और फारवर्ड लाइनेज यानी हस्तशिल्पियों को मार्केटिंग में सहयोग देने में सक्रिय है। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश सरकार ने ईपीसीएच को अपने राज्य के शिल्पियों को प्रशिक्षण प्रदान करने और डिजाइन विकास कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया था।
ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने सूचना दी कि परिषद हिमाचल प्रदेश के प्रमुख हस्तशिल्प और पारंपरिक हस्तशिल्प कला जैसे कुल्लू के शॉल, किन्नौर के शॉल , दस्तकारी, चंबा रुमाल, एप्लीक कला, बांस कला, मेटल क्राफ्ट और लकड़ी की कला आदि के स्थानीय शिल्पियों और कारीगरों के लिए 50 दिवसीय तकनीकी और डिजाइन ट्रेनिंग कैंप का आयोजन कर रहा है।
इस मौके पर ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने अपनी बात को विस्तार देते हुए कहा कि परिषद ने आज एक इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एंड प्रमोशन ऑफ हैंडीक्राफ्ट्स (आईडीपीएच) प्रोजेक्ट का उद्घाटन हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में किया गया। इस प्रोजेक्ट में हिमाचल प्रदेश के 7 जिलों के हस्तशिल्प का विकास और प्रोत्साहन किया जाएगा इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के प्रमुख हैंडीक्राफ्ट क्लस्टर्स का विकास उच्च गुणवत्ता वाले विशिष्ट हस्तशिल्प उत्पादों की व्यापक रेंज के तौर पर करना है जो वैश्विक स्तर के सोर्सिंग यानी क्रय स्थल बन सकें।

डॉक्टर कुमार ने सूचित किया कि सभी 7 जिलों कुल्लू, मंडी, किन्नौर, कांगड़ा, हमीरपुर, चंबा और बिलासपुर जिलों में 25 हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु कर दिये गये हैं।

वर्चुअल मोड पर हुए इस उद्घाटन में सभी प्रशिक्षण केंद्रों और उनके जिला उद्योग केंद्रों के जनरल मैनेजर्स के जरिए जोड़ा गया। हिमाचल प्रदेश सरकार के उद्योग विभाग के निदेशक श्री एच.आर.शर्मा, आईएएस, ईपीसीएच के चेयरमैन श्री रवि के पासी, कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा, और उत्तरी क्षेत्र कमेटी के अन्य सदस्यगण वर्चुअल मोड पर हुए इस उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे।

डॉ. कुमार ने सूचना दी उपरोक्त प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश सरकार के उद्योग निदेशालय के हस्तशिल्प विकास आयुक्त के कार्यालय की वित्तीय सहायता से चलाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में 25 हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम, 12 डिजाइन वर्कशॉप, 06 उत्पादक समूह कंपनियों की स्थापना और 12 हजार कारीगरों का बेस लाइन सर्वे किया जाना है।

इस मौके पर ईपीसीएच के चेयरमैन श्री रवि के पासी ने सूचित किया कि हिमाचल सरकार के उद्योग निदेशालय ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) को इस प्रोजेक्ट में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और टेक्निकल एडवाइजर के तौर पर नियुक्त किया है जिससे वे हिमाचल के हस्तशिल्प के डिजाइन विकास और प्रोस्ताहन में सहयोग कर सकें।

ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में हस्तशिल्प निर्यात का कुल मूल्य 25,270.14 करोड़ रुपये था और इस वित्तीय वर्ष यानी 2020-21 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से दिसंबर तक का कुल निर्यात 2268.58 मिलियन अमरीकी डालर यानी 16940.98 करोड़ रुपये हुआ है।

ज्यादा जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
डॉ. राकेश कुमार, महानिदेशक, ईपीसीएच - +91-9818272171

****

कैप्शन:

फोटो 1- हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एंड प्रमोशन ऑफ हैंडीक्राफ्ट्स (आईडीपीएच) प्रोजेक्ट के उद्घाटन के अवसर पर ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए। साथ में हैं श्री एच.आर शर्मा, आईएएस निदेशक, उद्योग हिमाचल प्रदेश एवं ईपीसीएच के चेयरमैन श्री रवि के पासी।

फोटो 2 – इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एंड प्रमोशन ऑफ हैंडीक्राफ्ट्स (आईडीपीएच) प्रोजेक्ट ट्रेनिंग कैंप, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में हिस्सा लेते कारीगर।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें डॉ। राकेश कुमार, महानिदेशक –

EPCH + 91-9818272171

Follow us on #epchindia